Name: _____ Date: _____

क्या निराश हुआ जाए

प्रश्न-1 टिकट बाबू के चेहरे पर संतोष की गरिमा क्यों थी?

उत्तर _____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

प्रश्न-2 बस ड्राइवर लेखक की ओर कातर दृष्टि से क्यों देख रहा था?

उत्तर _____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

https://educationwithfun.com

क्या निराश हुआ जाए

प्रश्न-1 टिकट बाबू के चेहरे पर संतोष की गरिमा क्यों थी?

उत्तर एक बार रेलवे स्टेशन पर टिकट लेते हुए गलती से लेखक ने दस के बजाय सौ रूपये का नोट दिया और वह जल्दी - जल्दी गाड़ी में आकर बैठ गया। थोड़ी देर में टिकट बाबू सेकंड क्लास के डिब्बे में हर आदमी का चेहरा पहचानते हुए उपस्थित हुए और लेखक को विनम्रता के साथ नब्बे रूपये लौटा दिए। उस समय टिकट बाबू के चेहरे पर संतोष की गरिमा थी क्योंकि उन्होंने अपना काम ईमानदारी से किया और सम्बंधित व्यक्ति को ढूँढ़कर उसके बचे पैसे लौटा दिए।

प्रश्न-2 बस ड्राइवर लेखक की ओर कातर दृष्टि से क्यों देख रहा था?

उत्तर बस खराब हो जाने पर जब कंडक्टर उतर गया और एक साइकिल लेकर चलता बना तब लोगों को संदेह हो गया कि उन्हें धोखा दिया जा रहा है। इसी कारण डर और क्रोध के आवेश में आकर बस के यात्रियों ने ड्राइवर को घेर लिया, वे उसे पीटना एवं सज़ा देना चाहते थे और स्वंय को बचाने के लिए ड्राइवर लेखक की ओर कातर दृष्टि से देख रहा था। लेखक का शांतिपूर्ण व्यवहार देखकर उसे लगा कि लेखक उसे यात्रियों के गुस्से से बचा सकते हैं।

https://educationwithfun.com